

## सुशासन और अभिसरण विभाग

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन, सुशासन और सार्वजनिक मुद्दों के समाधान के लिये एक अलग “[सुशासन एवं अभिसरण विभाग](#)” बनाने का नरिणय लिया है।

### प्रमुख बदि

- कैबिनेट की बैठक में नरिणय लिया गया कविभाग अब **ई-समीक्षा, ई-लोक सेवा गारंटी और डजिटल सचवालय** को शामिल करेगा, जो वर्तमान में सामान्य प्रशासन विभाग का हिस्सा है।
- **छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आबंटन) नयिम** में संशोधन तथा **राष्ट्रीय शकिषा नीति 2020** के करयान्वयन को भी मंजूरी दी गई।
- **मुख्यमंत्री आवास योजना** के तहत नया रायपुर में आवासहीन, आर्थिक रूप से कमजोर और नमिन वर्ग के परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिये पंजीयन की तथिभी बढ़ा दी गई है।

## राष्ट्रीय शकिषा नीति (National Education Policy- NEP) 2020

- **परचिय:**
  - राष्ट्रीय शकिषा नीति 2020 का लक्ष्य “**भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना**” है। यह स्वतंत्रता के बाद से भारत में शकिषा के ढाँचे में कथिा गया तीसरा बड़ा बदलाव है।
    - इससे पहले दो शकिषा नीतियाँ **वर्ष 1968 और वर्ष 1986** में लाई गई थीं।
- **मुख्य वशिषताएँ:**
  - पूर्व-प्राथमिक स्कूल से **कक्षा 12 तक स्कूली शकिषा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक पहुँच** सुनिश्चति करना।
  - **3-6 वर्ष** की आयु के सभी बच्चों के लिये गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शकिषा सुनिश्चति करना।
  - नया पाठ्यक्रम और शैक्षणिक संरचना **(5+3+3+4) क्रमशः 3-8, 8-11, 11-14 तथा 14-18 वर्ष** के आयु समूहों के अनुरूप है।
    - इसमें स्कूली शकिषा के चार चरण शामिल हैं: आधारभूत चरण (5 वर्ष), प्रारंभिक चरण (3 वर्ष), मध्य चरण (3 वर्ष) और माध्यमिक चरण (4 वर्ष)।
  - **कला और वजिज्ञान के बीच**, पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियों के बीच, व्यावसायिक एवं शैक्षणिक धाराओं के बीच कोईकठोर **वभाजन नहीं**;
  - बहुभाषिकता और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर ज़ोर।
  - एक नए **राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, PARAKH (प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा एवं समग्र विकास के लिये ज्ञान का वशि्लेषण)** की स्थापना।
  - वंचित क्षेत्रों और समूहों के लिये एक **अलग लगी समावेशन नधि** एवं **वशिष शकिषा क्षेत्र**।